पाठ - 10

आत्मा का ताप

पाठ के साथ:

उत्तर1: रज़ा को बंबई शहर, यहाँ का वातावरण, गैलेरियाँ, यहाँ के लोग और मित्र बड़े पसंद आए और उन्होंने यहीं रहने का अपना मन बना लिया था इसलिए रज़ा ने अकोला में ड्राइंग अध्यापक की नौकरी की पेशकश नहीं स्वीकार की।

उत्तर2: रज़ा जब बंबई आए तो सबसे पहले उन्हें एक्सप्रेस ब्लाक स्टूडियो में डिजायनर की नौकरी तो मिल गई पर रहने का कोई उचित स्थान न मिला वे अपने किसी परिचित ड्राइवर के ठिकाने पर रात बिताते। उनकी दिनचर्या बड़ी कड़ी थी सुबह दस से शाम छह बजे तक नौकरी और उसके बाद मोहन आर्ट क्लब में जाकर पढ़ना। कुछ दिनों बाद उन्हें स्टूडियो के आर्ट डिपार्टमेंट का कमरा मिला परंतु सोना उन्हें तब भी फ़र्श पर ही होता था। वे रात ग्यारह-बारह बजे तक गलियों के चित्र या तरह-तरह के स्के बनाते रहते थे। इस तरह बंबई में रहकर कला के अध्ययन के लिए रज़ा ने संघर्ष किए।

उत्तर3: रज़ा ने इन्हें कठिन बरस इसलिए कहा है क्योंकि इसी दौरान उनकी माँ की मृत्यु हुई थी। उनके पिताजी को मंडला लौट जाना पड़ा था और उसके अगले ही साल उनका भी देहांत हो गया। 1947 में भले हमें **स्वतंत्रता** मिल गई थी परंतु सभी को विभाजन की त्रासदी भी झेलनी पड़ी गाँधीजी की हत्या ने समूचे देश को ही हिला दिया था। रज़ा पर भी इन सभी बातों का गहरा असर पड़ा था। अत:इन्हीं सब घटनाओं के कारण रज़ा ने इन वर्षों को कठिन बरस कहा है।

उत्तर4: रज़ा के पसंदीदा फ्रें च कलाकार सेजाँ, वॉन, गोगॉ, पिकासो, मातिस शागील, ब्रॉक थे।

उत्तर5: **(क)** उपर्युक्त कथन फ्रें च फोटोग्राफर हेनरी कार्तिए ब्रेसॉ ने लेखक के चित्रों के संदर्भ में अपनी टिप्पणी देते हुए कहें हैं।

(ख) फ्रें च फोटोग्राफर हेनरी कार्तिए ब्रेसॉ की टिप्पणी का रज़ा पर बहुत गहरा प्रभाव पड़ा।बंबई लौटते ही रज़ा ने फ्रें च सीखने के लिए अलयांस फ्रांस में दाखिला लिया और अपना ध्यान पेंटिंग की बारीकियों पर कें द्रित करने लगे।

पाठ के आस पास:

उत्तर1: रज़ा को जलील साहब जैसे लोगों का सहारा न मिला होता तब भी वे एक जाने-माने चित्रकार होते क्योंकि रज़ा में चित्रकार बनने की अदम्य आकांक्षा थी। हाँ यह बात और है कि जलील साहब के कारण रज़ा को आर्थिक कठिनाइयों से मुक्ति अवश्य मिली परंतु

संघर्ष, लगन और धुन तो रज़ा की ही थी जिसके कारण देर या सवेर उन्हें तो प्रसिद्ध होना ही था।

उत्तर2: यह बात शत-प्रतिशत सही है कि चित्रकला व्यवसाय नहीं, अंतरात्मा की पुकार है। जो इस कला को अपनाना चाहता है उसे कला के व्यावसायिकता से बचना होगा क्योंकि आज के परिवेश में चित्रकला विशुद्ध व्यावसायिक हो चली है। कलाकार भी इसी व्यावसायिकता का शिकार हो चले हैं। उनका लक्ष्य इस व्यवसाय से अधिक-अधिक लाभ कमाना रह गया है। इसलिए आज कला में वह बात नहीं रह गई है। आज भी कलाकार कालजयी बन सकता है यदि वो अपनी कला को अपनी अंतरात्मा से जोड़ दे।

उत्तर3: सामाजिक समस्या या बदलाव की जब कभी भी बातें होती है तो हमें लगता है कि हम पहाड़ हिला सकते हैं।

भाषा की बात:

उत्तर1: **(क)** मेरे प्लेटफॉर्म पहुँचने से पहले गाड़ी जा चुकी थी।

(ख) डॉक्टर के हवेली पहुँचने से पहले सेठ की मृत्यु हो चुकी थी।

(ग) रोहित के दरवाज़ा बंद करने से पहले उसके साथी होली का रंग लेकर अंदर आ चुके थे।

(घ) रूचि के कै नवास हटाने से पहले बारिशु श हो चुकी थी।

उत्तर2:

हाल दशा वाक्य - आज आपका हाल कै सा?	हॉल बड़ा कमरा वाक्य - विद्‌यालय के हॉल में चित्र प्रदर्शनी लगी है।
काफ़ी वाक्य - घर में चावल सालभर के लिए काफ़ी है।	कॉफ़ी एक वाक्य - मेरी माँ बड़ी अच्छी कॉफ़ी बनाती है।
बाल - श वाक्य - तुम्हारे बाल कितने सुंदर और लंबें हैं।	बॉल - वाक्य - पिताजी मेरे लिए नई बॉल लाए हैं।

पाठ - 10

आत्मा का ताप

पाठ के साथ:

1. रज़ा ने अकोला में ड्राइंग अध्यापक की नौकरी की पेशकश क्यों नहीं स्वीकार की?
2. बंबई में रहकर कला के अध्ययन के लिए रज़ा ने क्या-क्या संघर्ष किए?
3. भले 1947 और 1948 में महत्त्वपूर्ण घटनाएँ घटी हों, मेरे लिए वे कठिन बरस थे - रज़ा ने ऐसा क्यों कहा?
4. रज़ा के पसंदीदा फ्रेंच कलाकार कौन थे?
5. तुम्हारे चित्रों में रंग है, भावना है, लेकिन रचना नहीं है। तुम्हें मालूम होना चाहिए कि चित्र इमारत की तरह बनाया जाता है - आधार, नींव, दीवारें, बीम, छत; और तब जाकर वह टिकता है - यह बात
   (क) किसने,किस संदर्भ में कही?
   (ख) रज़ा पर इसका क्या प्रभाव पड़ा?

पाठ के आस पास:

1. रज़ा को जलील साहब जैसे लोगों का सहारा न मिला होता तो क्या तब भी वे एक जाने-माने चित्रकार होते? तर्क सहित लिखिए।
2. चित्रकला व्यवसाय नहीं, अंतरात्मा की पुकार है - इस कथन के आलोक में कला के वर्तमान और भविष्य पर विचार कीजिए।
3. हमें लगता था कि हम पहाड़ हिला सकते हैं - आप किन क्षणों में ऐसा सोचते हैं?

भाषा की बात:

1. जब तक मैं बंबई पहुँचा, तब तक जे.जे.स्कूल में दाखिला बंद हो चुका था - इस वाक्य को हम दूसरे तरीके से भी कह सकते हैं। मेरे बंबई पहुँचने से पहले जे.जे.स्कूल में दाखिला बंद हो चुका था। नीचे दिए वाक्यों को दूसरे तरीके से लिखिए-
   (क) जब तक मैं प्लेटफ़ॉर्म पहुँची तब तक गाड़ी जा चुकी थी।

Copykitab same textbooks, click away

(ख) जब तक डॉक्टर हवेली पहुँता तब तक सेठ की म ृत्यु हो चुकी थी।

(ग) जब तक रोहित दरवाज़ा बंद करता तब तक उसके साथी होली का रंग लेकर अंदर आ चुके थे।

(घ) जब तक रूचि कै नवास हटाती तब तक बारिश ुरू हो चुकी थी।

2. आत्मा का ताप पाठ में कई शब्द ऐसे आए हैं जिनमें ऑ का इस्तेमाल हुआ है, जैसे - ऑफ, ब्लॉक, नॉर्मल।

नीचे दिए गए शब्दों में यदि ऑ का इस्तेमाल किया जाय तो शब्द के अर्थ में क्या परिवर्तन आएगा? दोनों शब्दों का वाक्य-प्रयोग करते हुए अर्थ के अंतर को स्पष्ट कीजिए-

हाल, काफ़ी, बाल

Xopykitab
same textbooks, klick away